कमिश्नर श्री बृजेश चन्द्र मिश्र का विद्यार्थियों और प्राध्यापकों से संवाद

महासमुंद 25 फरवरी 2018/ रायपुर एवं दुर्ग सभांग के कमिश्नर श्री बृजेश चन्द्र मिश्र ने कल महासमुंद जिला मुख्यालय के शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सभाकक्ष में विद्यार्थियों और महाविद्यालयों के प्राध्यापकों एवं स्टाॅफ को संबोधित करते हुए कहा कि आज जहां शिक्षण संस्थाओं के बीच आपसी प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ी है और शैक्षणिक गुणवतता की मांग तेज हुई है, वहीं विद्यार्थियों के पास भी पहले की तुलना में अनगिनत विकल्प बढ़े हैं, उनके समक्ष प्रतिस्पर्धा, चुनौती और प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है। ऐसे में जरूरी है कि शैक्षणिक संस्थाएं अपने विद्यार्थियों को अच्छी से अच्छी और बेहतर से बेहतर शिक्षण दें, जिससे वे केवल अच्छी पढ़ाई ही न करें बल्कि एक अच्छा व्यक्तित्व और एक अच्छा कैरियर बनाए तथा देश के जिम्मेदार नागरिक बने।

कमिश्नर ने महासमुंद जिले के 1965 से संचालित इस महाविद्यालय को नेक (नेशनल ऐसेसमेंट एण्ड एक्रेडेशन काउंसिल) के माध्यम से ग्रेडिंग प्राप्त करने के प्रयास और पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस ग्रेडिंग कार्य से न केवल महाविद्यालय का मूल्यांकन होगा, बल्कि महाविद्यालय को अपने भीतर झांकने, आत्म अवलोकन करने, महाविद्यालय के लक्ष्य, शिक्षा की गुणवत्ता और अंधोसंरचना विकास करने का भी अच्छा अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि केवल अच्छा भवन या अच्छा परिसर ही विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा दे, नालंदा और तक्षशिला जैसे भारतीय विश्वविद्यालय अपनी ज्ञान के प्रसार के बदौलत विश्व प्रसिध्द थे। उन्होंने कहा शिक्षण शिक्षा विद्यार्थियों को ज्ञानवान और समर्थ बनाती है और एक तरह से अपने आप प्राप्त होने वाला इंटरनेशनल पासपोर्ट प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि नेक मूल्यांकन के दौरान महाविद्यालय की जानकारी एवं उपलब्धियों को वास्तविकता के साथ सही तरीके से स्पष्टता के साथ प्रस्तुत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि कलेक्टर श्री हिमशिखर गुप्ता व्यक्तिगत रूप से जिले के इस सबसे पुराने महाविद्यालय के विकास और सुविधाओं के विकास के लिए रूचि ली है और इस कार्य को व्यापकता और तेजी से करवा रहे हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य श्री ए.के. खरे ने स्वागत उद्बोधन दिया

और बताया कि जहां नेक के माध्यम से ग्रेडिंग करने का प्रयास किया जा रहा है वही महाविद्यालय में शैक्षणिक गुणवत्ता और अधोसंरचना विकास के अनेक कार्य किए जा रहे है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री संतोष कुमार सिंह भी उपस्थित थे।

''फोस्टारिंग ग्लोबल काम्पेटिंग स्टुडेट एण्ड स्टाफ'' विषय पर अपने विचार रखते हुए कमिश्नर ने कहा कि वे विद्यार्थियों और स्टाफ के साथ अपनी बात बातचीत के रूप में रखना चाहते हैं और उन्होंने उपस्थित प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के प्रश्नों का एक-एक करके उत्तर दिया। कमिश्नर ने एक विद्यार्थी द्वारा बताए जाने पर वह स्कूल का शिक्षक बनना चाहता हैं, कीे भावना और सोच की तारीफ की। उन्होंने कहा कि एक ऐसे समय जब महानगरों की चकाचैंध और बढ़े पद लोगांे को लुभाते है, ऐसे में ऐसे विद्यार्थी की सोच सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है। एक विद्यार्थी द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या प्रशासनिक कार्य में राजनीतिक हस्तक्ष्ेाप से दिक्कत महसूस होती है ? के उत्तर में श्री मिश्र ने उल्टे प्रश्न किया कि राजनीतिक हस्तक्षेप क्या होता है ? उन्होंने कहा एक प्रशासनिक अधिकारी को भी किसी के भी प्रति जानबूझकर अन्याय नहीं करना चाहिए और उसे अपने कार्य के प्रति संतुष्ट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्य के दौरान संतुष्टि होनी चाहिए कि वे जो भी कार्य कर रहे हैं, सही कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं एक ग्रामीण परिवेश से आया हूं और मेरे सामने भारत तथा यहां के आम नागरिकों और उनके परिवेश की तस्वीर स्पष्ट है। मैं अपने कार्य के दौरान देखता हूॅ कि मेरा कार्य ईमानदारीपूर्वक और सही तरीके से किया गया है।

लक्ष्य लेकर चले विद्यार्थी

महाविद्यालय के एक नेशनल प्लेयर द्वारा यह बताए जाने पर कि उन्हें ऐसा लगता है कि उनका खेल अधिकारी बनने का सपना पूरा नहीं हो पाएगा। कमिश्नर श्री बृजेश मिश्र ने कहा कि जीवन एक चुनौती है। राज्य सेवा के आने के उन्होंने पत्रकारिता, एलआईसी, बैंक और एनजीओ आदि के रूप में कार्य किया है। बाद की परिस्थतियों को देखते हुए उन्होंने राज्य प्रशासनिक सेवा की परीक्षा दी और चयनित हुए। परिस्थितियां बनती-बिगड़ती रहती हैं। यह प्रकृति का

सामान्य नियम हैं। सभी विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपना लक्ष्य बनाकर चले और वास्तविक परिस्थितियों के अनुसार निर्णय ले। उन्होंने कहा कि युवा खिलाडियों के सामने आगे भी अनेक संभावनाएं है। इसका वे लाभ ले सकते हैं।

विद्यार्थी के मन में विचार होना चाहिए कि ''मैं किसी से कम नहीं हूं''

एक अन्य विद्यार्थी के कान्फिडेंस कैसे बढ़ाए के प्रश्न पर श्री बृजेश मिश्र ने कहा कि विद्यार्थी के मन में यह विचार होना चाहिए कि ''मैं किसी से कम नहीं हूं''। उन्होंने कहा कि किसी एक्सटर्नल फोर्स की जरूरत नहीं होनी चाहिए बल्कि यह भावना मन के भीतर से आनी चाहिए। यह जरूरी है कि हम जनरल नाॅलेज से अपडेट रहे, रीडिंग हैबिट बढ़ाए, लोगों से बातचीत के लिए तत्पर रहे और अच्छे कार्यो के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। यह भी जरूरी और कि अपनी बात को प्रभावशाली तरीके से बताने की कला सीखें। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत करने और संकल्प सिध्दि से हीन भावना समाप्त की जा सकती है।

एक विद्यार्थी द्वारा अपनी मांगों को पूरा करने के लिए सड़क जाम करने के प्रश्न पर श्री मिश्र ने कहा कि ऐसे प्रयासों से असली मुद्दे भटक जाते हैं और प्रशासन का उदेश्य केवल कानून या व्यवस्था बनाने तक केन्द्रित हो जाता है। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत समस्या संवादहीनता के कारण होती है। समस्या का समाधान सही तरीके से सही रूप में होना चाहिए। एक अन्य प्रशन के उत्तर में उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक विश्लेषण के अनुसार मनुष्य स्वार्थी होता हैं और साथ ही साथ मनुष्य सामाजिक प्राणी भी होता हैं। जब लोगों की भीड़ को सही दिशा और विचार मिलता है तो वह समूह में बदल जाता हैं। यह समूह ना केवल शिक्षा या किसी भी क्षेत्र में योगदान कर सकता है, बल्कि शिक्षक और विद्यार्थियों का समूह मिलकर शिक्षा गुणवत्ता को भी बढ़ा सकता है।

Guest Lecture On

Guest Lecture On